Munmun Choudhary
Asst. Prof.
Department of Economics,
A. S. college,
Bikramganj.

B. A. Part - I

Paper - I

Micro Economics

Topic :- Concepts of Cost and Revenue.

स्थिर लागत एंव परिवर्तनशील लागत [Fixed Cost and Variable Cost]

कुल उत्पादन लागत दो प्रकार के लागतों का योग होता है ये दो लागत (cost) निम्नलिखित है -

(1) कुल स्थिर लागत (Total fixed cost)
(2) कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable cost)।

(1) कुल स्थिर लागत (Total fixed cost) :- स्थिर लागत को पूरक लागत (Supplementary cost) भी कहा जाता है। उत्पादन के कुछ साधनों जैसे - मशीन, औजार, मकान आदि स्थिर होती है। उत्पादन की मात्रा में कमी अथवा वृद्धि होने पर भी अल्पकाल में इन स्थिर साधनों में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। उत्पादक को उत्पादन के इन स्थिर साधनों पर जो कुछ व्यय करना पड़ता है उसे कुल स्थिर लागत कहते है

Scanned by TapScanner

कुल स्थिर लागत (Total fixed cost) उत्पादन में कमी अथवा वृद्धि होने पर समान रहती है। उदाहरण के लिए एक छापने की मशीन (Printing Machine) की लागत यदि 6 लाख रुपये है तो यह लागत सदा स्थिर रहेगी चाहे चाहे उस मशीन से 0.1 लाख पुस्तक छापी जाये या 4 लाख पुस्तक छापी जाये। स्थिर लागत को सामान्य लागत (Over head cost) भी कहा जाता है।

(2) कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable cost):-

परिवर्तनशील लागत को प्रमुख लागत (Prime cost) भी कहा जाता है। उदाहरण के लिए कुछ साधन ऐसे हैं जो कम उत्पादन रहने पर बताया जा सकता है तथा उत्पादन में वृद्धि के साथ उनमें वृद्धि भी कि जा सकती है। इस लिए इन साधनों को परिवर्तनशील साधन (Variable factors) कहा जाता है। उदाहरण के लिए कच्चा माल, श्रमिक, बिजली, कोयला इत्यादि। इस प्रकार उत्पादन के परिवर्तनशील साधनों पर जो कुल व्यय खर्च करना पड़ता है उसे कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable cost) कहा जाता है। कुल परिवर्तनशील लागत उत्पादन घटने के साथ घटती है और उत्पादन बढ़ने के साथ बढ़ती है।

Scanned by TapScanner

कुल स्थिर लागत (Total Fixed cost) एवं कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable cost) को रेखा चित्र द्वारा निम्न प्रकार दर्शाया जा सकता है:-

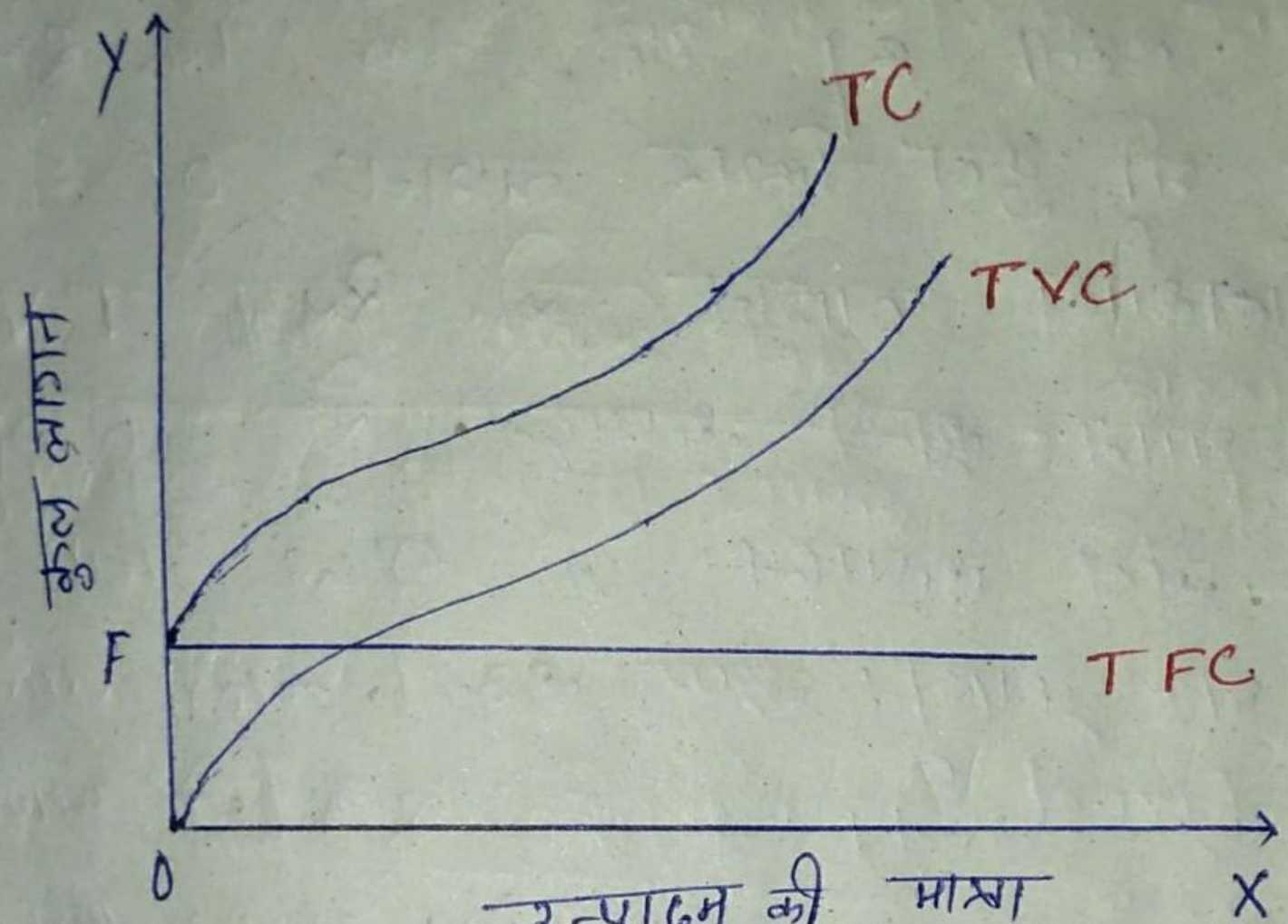

चित्र में OX रेखा पर उत्पादन की मात्रा तथा OY रेखा पर कुल लागत को दिखलाया गया है। TC कुल लागत (Total cost) की रेखा है जो कुल स्थिर लागत (Total Fixed cost) की रेखा TFC तथा कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable cost) की रेखा TVC का योग है

[Total cost = Total Fixed cost + Total Variable cost.
TC = TFC + TVC]

~~औय~~ यह योग Vertical addition है।

Scanned by TapScanner

कुल स्थिर लागत की रेखा TFC क्षैतिज सीधी रेखा (Horizontal Straight Line) के रूप में है जिसका मतलब यह है कि उत्पादन की मात्रा चाहे कुछ भी हो स्थिर लागत सदा समान यानि OF रहती है। यहाँ तक कि शून्य उत्पादन पर भी कुल स्थिर लागत OF ही है। कुल परिवर्तनशील लागत की रेखा TVC मूल्य बिन्दु यानि शून्य उत्पादन से प्रारम्भ और जैसे-जैसे उत्पादन में वृद्धि होता है वैसे-वैसे यह क्रमशः ऊपर उठती चली जाती है। इसके ऊपर उठने की गति शुरु में धीमी लेकिन बाद में तेज हो जाती है। TVC मूल बिन्दु से प्रारम्भ होती है जिसका मतलब यह है कि शून्य उत्पादन (Zero Output) पर कुल परिवर्तनशील लागत शुन्य है लेकिन उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ इसमें वृद्धि होती है। चूँकि TC (Total Cost Curve) TFC तथा TVC का योग है, अतः यह बिन्दु F से प्रारम्भ होकर उत्पादन में वृद्धि के साथ ऊपर उठती जाती है। इसी प्रकार चूँकि TFC बराबर समान (constant) रहती है, अतः TC तथा TVC के बीच की दूरी भी सदा समान रहती है।

Scanned by TapScanner